डॉ० सतीश कुमार

Dr. Satish Kumar

पद्म श्री

Padma Shri

राष्ट्रपति से अलंकरण प्राप्त करते हुए

Receiving the decoration from the President

डॉ० सतीश कुमार

डॉ0 सतीश कुमार, मिसाइल्स और स्ट्रेटेजिक प्रणालियों के महानिदेशक के रूप में पदासीन हैं। आपने भारत के समस्त मिसाइलों और स्ट्रेटेजिक प्रणालियों के विकास के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है। आपने आपने कॅरियर भारत के प्रतिष्ठित एकीकृत गाइडिड मिसाइल विकास कार्यक्रम (आईजीएमडीपी), में तरल प्रणोदन (लिक्विड प्रोपल्जन) विशेषज्ञ के रूप में प्रारम्भ किया। आप हाइपरसोनिक फ्लाइट व्हीकल्स, अग्नि और पृथ्वी मिसाइलों के लिए प्रणोदन प्रणालियों तथा स्ट्रेटेजिक वारहैड प्रणालियों के क्षेत्र में अपना अनुसंधान कर रहे हैं।

2. आपका जन्म 10 जून,1956 को हुआ। आपने पृथ्वी मिसाइल के लिए पहली बार भारत में ही विकसित किए गए तरल प्रणोदन रॉकेट के निर्माण की प्रक्रिया में अहम भूमिका निभायी है। आपकी अगुआई में, बेलिस्टिक मिसाइल डिफेंस और मिसाइलों की अग्नि श्रृंखला के लिए हॉट और कोल्ड गैस प्रणालियों को डिजाइन किया गया और उनका परीक्षण किया गया। आपने देश में प्रथम बार रक्षा अनुसंधान और विकास प्रयोगशाला, हैदराबाद में स्क्रेमजेट इंजन का विकास करके एवं इंजन टेक्नोलॉजी और संबद्ध परीक्षण सुविधाएं स्थापित कर हाइपरसोनिक टेस्ट व्हीकल्स के डिजाइन तैयार करने में अग्रणी कार्य किया।

3. आपने स्पार्क गैप्स, हाई वोल्टेज प्रणालियों, विस्फोटक ब्रिज वायर डिटोनेटर्स जैसी अस्वीकृत प्रौद्योगिकियों के विकास सहित स्ट्रेटेजिक हथियार प्रणालियों के कार्यान्वयन में भी अपना योगदान दिया। आपने प्लास्टिकबद्ध विस्फोटकों, कठोरीकृत संरचनाओं, सुरक्षित सामरिक संचार नेटवर्क (एससीएन) और राष्ट्रीय महत्व की रणनीतिक बुनियादी संरचना के विकास की पहल की।

4. आपने आणविक ऊर्जा विभाग (डीएई) के साथ मिलकर यह सुनिश्चित किया है कि सिद्धान्त में उल्लिखित अपेक्षाएँ, निवारण को सुनिश्चित करने के लिए टीआरआईएडी के एक हिस्से के रूप में उपलब्ध कराई जाती हैं। आपके सेवा मुख्यालयों और सामरिक बल कमान (एसएफसी) के प्रति सक्रियतापूर्ण दृष्टिकोण के फलस्वरूप रणनीतिक प्रणालियों के सभी वायु मार्गों को एकीकृत किया गया जिससे सुरक्षित संचार नेटवर्कों, कमान संरचना, निवारण की आवश्यकताओं को पूरा करना, भण्डारण और तैनाती की बुनियादी अवसंरचना जैसे रणनीतिक बल के अपेक्षित मूल घटकों का गठन किया गया और जिसने जल, थल और नभ मार्गों के लिए एक सुरक्षित तथा मजबूत नाभिकीय निवारण क्षमता हासिल किए जाने के फलस्वरूप भारत को गौरवान्वित किया है।

5. आपने सामरिक और रणनीतिक मिसाइलों के डिजाइन और विकास में नवीन प्रौद्योगिकियों के विकास को शामिल करने एमटीसीआर के अंतर्गत बढ़ती हुई विश्वसनीयता को नकारने और आयात पर निर्भरता को कम करने में अपने तीन दशकों से अधिक के बहुआयामी अनुभव से भारत को विश्व के मानचित्र पर पहुँचा दिया है। इससे भारत को अन्तर–महाद्वीपीय मारक क्षमता के साथ एक विश्वसनीय नाभिकीय निवारण क्षमता हासिल हुई है जिससे देश गौरवान्वित हुआ है और भारत इस क्षमता को रखने वाले पाँच उन्नत देश के चयन समूह में शामिल हो गया है।

Dr. Satish Kumar

Dr. Satish Kumar the Director General of Missiles and Strategic systems has made significant role in the area of development of all Missile and strategic systems in India. Starting his career with India's prestigious Integrated Guided Missile Development Programme (IGMDP), as the Liquid Propulsion specialist, he continued his research in the areas of Hypersonic flight vehicles, propulsion systems for the Agni and Prithvi missiles and the strategic warhead systems.

2. Born on June 10, 1956, Dr Satish Kumar played a pivotal role in productionisation of first ever indigenously developed Liquid Propellant Rocket for PRITHVI Missile. Under his leadership, the Hot and Cold gas systems for the Ballistic Missile Defence and Agni series of missiles have been designed and tested. He has done frontier work for the design of Hypersonic test vehicles through development of Scramjet engine and establishing the engine technology and associated test facilities at Defence Research and Development Laboratory, Hyderabad for the first time in the country.

3. Dr. Satish Kumar has also contributed to the realization of Strategic Weapon Systems including development of denied technologies, such as Spark Gaps, High Voltage Systems, Explosive Bridge Wire detonators and initiated development of Plastic Bonded Explosives, Hardened Structures, Secured Strategic Communication Network (SCN) and Strategic Infrastructure of National importance.

4. Dr. Satish Kumar, in close association with Department of Atomic Energy (DAE), ensured that the requirements as specified in the doctrine, are made available as part of the TRIAD to ensure deterrence. His pro-active approach with Service HQrs and the Strategic Force Command (SFC) resulted in integration of all Vectors of Strategic Systems leading to setting up the essential elements of Strategic Force viz., Sensors, Secured Communications Networks, Command Structure, Storage and Deployment infrastructure meeting the requirements of Nuclear Deterrence. This has enabled India today to be proud of having acquired a secure and strong Nuclear Deterrence capability for Land, Air & Sea Vector.

5. Dr. Satish Kumar with his multifaceted experience of more than three decades in design and development of tactical and strategic missiles involving development of path breaking technologies, denied under MTCR increasing reliability index and reducing dependency on import, has put India at the world map, giving India a credible Nuclear Deterrence with Inter-continental strike capability, making the country proud and putting India in the select group of five advanced nations, possessing this capability.